



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 146]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 14, 1979/वैशाख 24, 1901

No. 146]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 14, 1979/VAISAKHA 24, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 मई, 1979

सा. का. नि. 311 (अ).—केंद्रीय सरकार, तेल उद्योग (विकास) अधिनियम, 1974 (1974 का 47) की धारा 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तेल उद्योग (विकास) नियम, 1975 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती हैं, अर्थात् :—

1. इन नियमों का नाम तेल उद्योग (विकास) संशोधन नियम, 1979 है।

2. तेल उद्योग (विकास) नियम, 1974 में नियम 24 में, उप-नियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा अर्थात् :—

“(2) बोर्ड प्रत्येक मामले में, 20 लाख रुपये तक कि हानि को अपीलित कर सकेगा। इस रकम से अधिक की हानि को केंद्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से अपीलित किया जाएगा।

(2) उपनियम (2) के अधीन हानियों को अपीलित करने के समय, बोर्ड निम्नलिखित बातों का ध्यान रखेगा, अर्थात् :—

(1) हानि से यह प्रकट न होता हो कि वह नियम में किसी त्रुटि के कारण हुई है ;

(2) हानि में यह प्रकट न होता हो कि बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट अनुबंधों का पालन करने में कोई त्रुटि हुई है ;

(3) किसी तेल औद्योगिक समुत्थान की ओर से, जिसे बोर्ड ने ऋण अनुवृत्त किया है, कोई ऐसी गंभीर उपेक्षा न हुई हो जिससे कि ऋण की वसूली के लिए कोई विधेयक या प्रशासनिक कार्रवाई की अपेक्षा की गई हो ;

(4) हानि, बोर्ड के किसी कर्मचारी की ओर से किसी गंभीर भूल के कारण न हुई हो और जहां हानि, ऐसे कर्मचारी की ओर से किसी गंभीर भूल के कारण हुई मानी जा सकती है वहां वह ऐसे कर्मचारीकृत्यकारी से वसूल न की जा सकती हो ;

(5) यदि किसी तेल औद्योगिक समुत्थान द्वारा बोर्ड की सहायता से, अर्जित संपत्ति की हानि अग्नि, बाढ़, भूकम्प या किसी अन्य प्राकृतिक कारण से हुई है तो यह सुनिश्चित कर लिया गया है कि इन तथ्यों को रिपोर्ट, बोर्ड को तत्परता से की गई है और उसका समाधानप्रद रूप में यह साबित कर दिया गया है कि पूर्वोक्त परिस्थितियां उक्त तेल औद्योगिक समुत्थान के नियंत्रण से परे थीं ;

(6) यदि हानि, खंड 6 में विनिर्दिष्ट सभी या किन्हीं अध्यापकों पर किसी खर्च के कारण हुई है तो उसके कारणों को अभिनिश्चित करने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड ने विस्तृत अन्वेषण किया है कि यह हानि किसी अध्यापक की तकनीकी त्रुटि से अच्छाई और व्यवहार्यता के निर्धारण में समुचित तक-

नीकी सर्वेक्षण में हुई किसी कमी के कारण या ऐसे अधुपाय करने वाले तेल औद्योगिक समुत्पान की ओर से किसी अन्य भूल के कारण नहीं हुई है।”

[फाइल सं. 7/4/78-पी. एफ. डी.]

एस. एल. खोसला, संयुक्त सचिव और वित्त सहायक

**MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND  
FERTILIZERS**  
(Department of Petroleum)

New Delhi, the 14th May, 1979

**G.S.R. 311(E).**—In exercise of the powers conferred by section 31 of the Oil Industry (Development) Act, 1974 (47 of 1974), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Oil Industry (Development) Rules, 1975, namely :—

1. These rules may be called the Oil Industry (Development) Amendment Rules, 1979.
2. In the Oil Industry (Development) Rules, 1975 in the rule 24, for sub-rule (2), the following sub-rules shall be substituted, namely :—

“(2) The Board may write off losses upto Rs. 20 lakhs in each case. Write off of losses beyond this amount shall be done with the prior approval of the Central Government.

(2A) While writing off losses under sub-rule (2), the Board shall have regard to the following namely :—

- (i) the loss does not disclose a defect in the rules;
- (ii) the loss does not disclose any defect in complying with the stipulations specified by the Board;
- (iii) there has not been any serious negligence on the part of an oil industrial concern to which the Board had granted loan and its realisation requires some legal or administrative action;
- (iv) the loss is not attributable to any serious lapse on the part of any employee of the Board and in cases where the loss is attributable to any serious lapse on the part of such employee, it is not realisable from such employee/functionary;
- (v) if the loss of any property acquired by an oil industrial concern with the assistance of the Board is due to fire, flood, earth-quake or any other natural cause, it has been ensured that the facts were promptly reported, and proved, to the entire satisfaction of the Board that the circumstances aforesaid were beyond the control of the said oil industrial concern;
- (vi) if the loss is due to any expenditure on all or any of the measures specified in section 6, a detailed investigation has been carried out by the Board to ascertain the causes thereof and to ensure that the loss is not due to lack of proper technical survey in assessing the technical soundness and viability of the measure or any other lapse on the part of the oil industrial concern executing such measure.”

[File No. 7/4/78-PFD]

S. L. KHOSLA, Jt. Secy. Financial Adviser